भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †1307
सोमवार, 11 दिसम्बर, 2023/20 अग्रहायण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा में थीम आधारित सर्किट के लिये निधि की स्वीकृति

†1307. **प्रो. अच्युतानंद सामंत:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओडिशा में थीम आधारित सर्किट का ब्यौरा क्या है और उक्त प्रयोजनार्थ पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के तहत कितनी निधि स्वीकृत की गई है;

(ख) क्या सरकार यह देखते हुए कि ओडिशा में ललितगिरि, उदयगिरि और रत्नगिरि में बौद्ध धर्म का डायमंड त्रिकोण है और इसके साथ ही धौली में बौद्ध शांति स्तूप है तथा बड़ी संख्या में जनजातियों और पीवीटीजी प्रत्येक की अपनी अनूठी संस्कृति है, भारत में स्वदेश दर्शन योजना के तहत विशेष रूप से बौद्ध और जनजातीय विषयों के तहत अधिक सर्किट शामिल करने पर विचार करेगी;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के तहत वर्ष 2016-17 में 70.82 करोड़ रुपए की लागत से ओडिशा में तटीय परिपथ के अंतर्गत 'गोपालपुर, बर्कुल, सतपाड़ा और तंपारा का विकास' नामक एक परियोजना स्वीकृत की थी।

(ख) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों का विकास करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के रूप में परिवर्तित किया है। एसडी 2.0 योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, राज्य सरकारें/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन प्रमुख पर्यटन आकर्षणों, पेशकशों, संपर्कता, वर्तमान पर्यटन ईको-स्सिटम, राज्य सहायता आदि जैसी विशिष्टताओं के आधार पर विभिन्न गंतव्यों की पर्यटन क्षमता का विश्लेषण करते हुए एक राज्य परिप्रेक्ष्य योजना (एसपीपी) तैयार करते हैं। पर्यटन मंत्रालय संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श और योजना दिशा-निर्देशों के प्रावधानों के अनुसार विकास के लिए गंतव्यों का चयन करता है। मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत ओडिशा में 'कोरापुट' को विकास के लिए पहले ही चिह्नित कर लिया है।

****